an>

Title: Regarding laying of new Railway line at Lakhimpur Kheri.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : महोदय, आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। अभी रेल का जो सप्लीमेंट्री बजट आया, उस पर चर्चा हो रही थी। बहुत सारे लोग बुलेट ट्रेन्स आदि माँग रहे थे। मैं जब अपने क्षेत्र की तरफ देखता था तो मुझे बड़ा दुख हो रहा था। जनपद लखीमपुर खीरी भौगोलिक दÂिट से उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है और नेपाल का सीमावर्ती जिला है, जो बाढ़ से भी प्रभावित है। जंगल और अच्छी सड़कें न होने के कारण वहाँ परिवहन के साधनों का अभाव है, जो इस क्षेत्र के अविकसित रह जाने का प्रमुख कारण है। रेल परिवहन की दÂिट से भी यह जिला अत्यंत पिछड़ा हुआ है। केवल यहाँ पर मीटर गेज की रेल लाइन है और दो रेल मार्ग हैं। एक लखनऊ-लखीमपुर से मैलानी होते हुए पीलीभीत तक है और दूसरा मैलानी से बहराइच है, जो इस जिले के मात्र 20 प्रतिशत हिस्से को ही छूता है और केवल 20 प्रतिशत आबादी को रेल परिवहन का लाभ मिल पाता है। यहाँ पर जो प्रथम मार्ग है, उस पर तो ब्रॉड गेज का कन्वर्जन का काम प्रारम्भ हो गया है, लेकिन मैलानी और बहराइच जो रेलवे लाइन का दूसरा हिस्सा है, वहाँ पर अभी केवल मीटर गेज की रेल लाइन है। रेल यातायात प्रारम्भ है। उसका कुछ हिस्सा दुधवा नेशनल पार्क में पड़ता है। जिनकी आपत्ति के कारण वहाँ पर गेज कन्वर्जन का काम नहीं हो पा रहा है।

मैं आपके माध्यम से पर्यावरण मंत्रालय से यह माँग करता हूँ कि उनको एनओसी दी जाए, क्योंकि अगर वह रेल लाइन बंद हो गई तो हमारे जिले का बहुत बड़ा हिस्सा रेल यातायात के कारण बुरी तरह से प्रभावित होगा। अतः मेरा आपसे निवेदन है कि पर्यावरण मंत्रालय द्वारा एनओसी देकर के ब्रॉड गेज कन्वर्जन का काम मैलानी-बहराइच रेल लाइन पर कराया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।